शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

(अध्ययन मंडल हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के सूचना आदेश दिनांक 20 अप्रैल 2024 के अनुसार सत्र–2024–25 के लिए स्नातक हिंदी भाषा और साहित्य का अनुमोदित पाठ्यक्रम)

स्नातक हिन्दी

(सत्र–2024–25)

(FYUGP (CBCS AND LOCf Course)

सेमेस्टर प्रणाली

(सेमेस्टर 1, 2, 3, 4, 5 और 6)

(डॉ. शंकर मुनि राय)
विभागाध्यक्ष, हिंदी

विभागाध्यक्ष (हिंदी)
शासकीय दिग्विजय स्वशासी
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

(डॉ. के. एल. टाण्डेकर)
प्राचार्य

प्राचार्य
शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)

विषय : हिन्दी साहित्य–3

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–3	विषय : (DSC-3) हिंदी साहित्य (अर्वाचीन हिंदी काव्य)
विषय : (DSC-3) हिंदी साहित्य (अर्वाचीन हिंदी काव्य)	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (ESE 80+IA20	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40%
शीर्षक	पाठ्य विषय : हिंदी साहित्य–3
Program outcomes : (पाठ्यकम प्रतिफल)	आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव–भाषा शिल्प, अंतर्वस्तु संबंधी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती हैं। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यकम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इस पाठ्यकम के अंतर्गत आधुनिक हिंदी कवि और कविता की पृष्ठभूमि तथा उसकी प्रकृति से विद्यार्थियों को अवगत कराना अपना उद्देश्य है। • इसमें कुल पांच प्रमुख कवि मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन 'पंत', माखनलाल चतुर्वेदी और सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की प्रतिनिधि कविताएं शामिल की गई हैं। • इन कवियों की काव्यगत प्रकृति को आलोचनात्मक और व्याख्यात्मक तरीके से समझाने से विद्यार्थियों का बोध जागृत होगा।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	कवि और कविताएं • **मैथिलीशरण गुप्त**–नर हो न निराश करो मन को, सखि! वे मुझसे कहकर जाते!, किसान • **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**–वीणा वादिनी वर दे, वह तोड़ती पत्थर, भिक्षुक।

2	15	• **सुमित्रा नंदन 'पंत'**–सुख–दुख, ताज, ग्रामश्री
3	15	• **माखनलाल चतुर्वेदी**–पुष्प की अभिलाषा, उलाहना, निःशस्त्र सेनानी
4	15	• **स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'**–घर, चांदनी,

संदर्भ ग्रंथ–

1. **विभागीय प्राध्यापकों द्वारा पाठ्य सामग्री तैयार की जाएगी ।**

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

कम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)

विषय : DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE-1)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–3	विषय : DSE-1 (छायावादः स्वरूप एवं विशेषताएँ)
पाठ्यक्रम का स्वरूप विषय : DSE-1 (छायावादः स्वरूप एवं विशेषताएँ)	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 ESE 80+IA 20	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 %

शीर्षक	पाठ्य विषय : DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE-1)
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• हिंदी कविता के इतिहास में छायावाद के नाम से अभिहित कालखंड इतना महत्वपूर्ण है कि किसी न किसी रूप में हर कोई पढ़ना ही चाहता है। • यह वह काल है जहां से हिंदी कविता की नई दिशा और दशा प्रारंभ होती है। यह नवीन चेतना का साहित्यिक काल है। • इस काल में प्रसाद, पंत, निराला और महादेवी के नाम से प्रख्यात काव्यकार हिंदी कविता के आधार स्तंभ माने जाते है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इनका अध्ययन–अध्यापन इसलिए जरूरी है कि इसमें मानवीय संवेदना का जो स्वर है, वह शास्त्रीय काव्य परंपरा से हटकर है। • कविता में प्रकृति का मानवीकरण इस काल की कविता की प्रमुख विशेषता मानी जाती है। कविता की यह विशेषता विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। • छायावादी कविता की एक अन्य प्रमुख विशेषता राष्ट्रीय चेतना भी है। अतः इसके अध्ययन–अध्यापन से पाठकों में राष्ट्रीयता की भावना भी जागृत की जा सकती है।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	छायावाद का अर्थ, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वरुप एवं विशेषताएं
2	15	प्रमुख कवि : प्रसाद, पंत, निराला और महादेवी वर्मा उनकी कृतियां एवं काव्यगत विशेषताएं ।

3	15	प्रमुख कविताएं : चिंता सर्ग, नौका विहार, जागो फिर एक बार, जो तुम आ जाते एक बार।
4	15	श्रद्धा सर्ग, सुख–दुख, सरोज स्मृति, जाग तुझको दूर जाना।

संदर्भग्रंथ–

1. छायावाद और उसके कवि– संपादक– विजय बहादुर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. निराला की साहित्य साधना –रामबिलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. छायावाद–डॉ. उदयभानु सिंह, सामयिक प्रकाशन दिल्ली
4. प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना–रामकृष्ण अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
5. कामायनी –जयशंकर प्रसाद
6. छायावादी काव्य में लोकमंगल की भावना–डॉ. अंबादत्त पाण्डेय, प्रेम प्रकाशन दिल्ली
7. छायावा का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. छायावाद : प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत संपादक–नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	25.04.24
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)

विषय : Skill Enhancement Course (SEC-3)

सत्र : 2024–254	स्नातक
सेमेस्टर–3	विषय : (SEC-3) (संभाषण कला)
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (SEC-3) (संभाषण कला)	विषय कोड :
केडिट : 02	व्याख्यान : 30
अधिकतम अंक : 50(ESE 40 +IA 10)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40%

शीर्षक	पाठ्य विषय : संभाषण कला (SEC-3)
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा की मौखिक प्रकृति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। विचार अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भाषा ही है, जिसमें मौखिक अभिव्यक्ति का विशेष महत्व है। मौखिक अभिव्यक्ति में शब्दों के सही उच्चारण और प्रस्तुति का विशेष महत्व है। इसके लिए शब्दार्थ, ध्वनि, उच्चारण और लहजे का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण के लिए तैयार किया गया है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों की भाषिक क्षमता का विकास होगा । • भाषा की स्वभाविक प्रकृति से परिचित होने का परिणाम यह होगा कि सही शब्दोच्चारण से विद्यार्थियों की वक्तृत्व कला विकसित होगी। • यह एक व्यावहारिक पाठ्यक्रम है जो प्रत्यक्ष रूप से साबित करेगा कि किसी विद्यार्थी को भाषा–शैली का कितना ज्ञान है।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	08	संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप–वार्तालाप, व्याख्यान, वाद विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
2	08	जन सम्पर्क में वाक्कला की उपयोगिता] संभाषण कला के प्रमुख उपादान – यथेष्ठ भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।
3	08	संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट), आंखों देखा, हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग) वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टीवी.)
4	06	वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं समूह

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC-4)

(योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–4)

सत्र : 2024–25	**स्नातक :**
सेमेस्टर–4	**विषय : AECC-4 Hindi language** (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम) हिंदी भाषा
पाठ्यक्रम का स्वरूप : **AECC_4 Hindi language** (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम) हिंदी भाषा	**विषय कोड :**
केडिट : 2	**व्याख्यान : 30**
अधिकतम अंक : 50 (ESE 40+IA 10)	**न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40%**

शीर्षक	**पाठ्य विषय :** (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–4
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषा कौशल की परख पर आधारित है। • साथ ही हिंदी निबंध विधा की प्रकृति की जानकारी होगी। • इसके अध्ययन से लेखकीय विकास की समझ विकसित होगी। • कार्यालयीन भाषा की प्रकृति के साथ ही हिंदी के विविध स्वरूपों की जानकारी मिलेगी। • किसी भी घटना, प्रसंग या आयोजन का सारतत्व लिखने की समझ विकसित होगी।
Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल) :	• इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल के साथ ही हिंदी निबंध की साहित्यिक प्रकृति को समझने मे मदद मिलेगी। • संकलित निबंधों के अध्ययन से महात्मा गांधी, आचार्य बिनोबा भावे, आचार्य नरेन्द्र देव, वासुदेव शरण अग्रवाल, भगवत शरण उपाध्याय और हरि ठाकुर जैसे निबंधकारों की निबंध शैली को समझने में सुविधा होगी। • हिंदी भाषा के विविध रूपों के अंतर्गत कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित एवं वाणिज्य की भाषा की व्यावहारिक प्रकृति से अवगत कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रहा है। • संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया विशेषण, संधि और समास हिंदी के ऐसे आधार पाठ्य–विषय हैं, जिनका उपयोग किसी भी

		प्रतियोगी परीक्षा के लिए अनिवार्य माना गया है। इसलिए इन्हें पाठ्यक्रम का अंश बनाना अनिवार्य माना गया है।
इकाई	**व्याख्यान**	**पाठ्य विषय**
1	08	• पल्लवन एवं पत्राचार • अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावली • हिंदी में पदनाम।
2	08	• शब्दशुद्धि, वाक्य शुद्धि, शब्दज्ञान • पर्यायवाची, विलोम तथा अनेकार्थी शब्द • समश्रुत तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द ।
3	08	• देवनागरी लिपि–नामकरण, स्वरूप एवं विशेषताएं, • संक्षेपण और हिंदी में संक्षिप्तीकरण • हिदी अपठित गद्यांश
4	06	• मानक हिंदी भाषा का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएं • मानक, उपमानक और अमानक भाषा।

संदर्भ ग्रंथ :– 1. भारतीयता के स्वर साधन–धनंजय वर्मा, मप्र. ग्रंथ अकादमी।

2. नागरी लिपि और हिंदी–अनन्त चौधरी, ग्रंथ अकादमी पटना।

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	

12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

(FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)

विषय : Skill Enhancement Course (SEC-4)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–4	विषय : : (SEC-4) (अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि)
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (SEC-4) (अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि)	विषय कोड :
क्रेडिट : 02	व्याख्यान : 30
अधिकतम अंक : 50 (ESE 40+IA 10)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40%

शीर्षक	पाठ्य विषय : अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि (SEC-4)
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• समय की मांग है कि विद्यार्थियों को एकाधिक भाषा का समुचित ज्ञान कराया जाए। इसके अभाव में शिक्षा का वैश्विक स्वरुप निर्धारित नहीं किया जा सकता है। • अतः हमारे जीवन में अनुवादी ज्ञान का होना अति आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में अनुवाद की बारीकियों को समझाने और सीखाने का प्रयास किया जाएगा।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार क्षेत्रीय भाषाओं में अध्ययन–अध्यापन की जो परिकल्पना है, उसके लिए जरूरी हो गया है कि एकाधिक भाषाओं की जानकारी को अनिवार्य किया जाए। इस पाठ्यक्रम से बहुभाषी अध्ययन के प्रति रूचि बढ़ेगी। • कार्यालयीन पत्रों का अनुवाद करने जैसा कौशल विकसित करना इस पाठ्यक्रम का व्यावहारिक पक्ष है।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	08	अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
2	08	: अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन।
3	08	सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। व्यावहारिक अनुवाद : किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।

4	06	कार्यालयीन अनुवाद : शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश, अधिसूचना। पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त,। विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. **अनुवाद विज्ञान की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
2. **अनुवाद मीमांसा, निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
3. **अनुवाद अनुसृजन, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

कम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)

विषय : हिन्दी साहित्य–4

सत्र : 2024–25	स्नातक :
सेमेस्टर–4	विषय : (DSC-4) (हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएं)
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (DSC-4) (हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएं)	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (ESE 80+IA 10)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40%

शीर्षक	पाठ्य विषय : हिंदी साहित्य–4
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मद्देनजर इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि पाठ्यक्रम की पुरानी परंपरा में बदलाव किया जाएं इसलिए इस पाठ्यक्रम में हिंदी गद्य की कुछ प्रमुख गद्य विधाओं को पाठ्य सामग्री के रूप में शामिल किया गया है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• पाठ्यक्रम में शामिल भारतेन्दु हरिश्चंद्र का नाट्य प्रहसन 'अंधेर नगरी' गद्य की दो विधाओं नाटक और प्रहसन का प्रतिनिधित्व करने वाल कृति है। यह पाठ्यक्रम में नई उद्भावना को इंगित करता है। • पाठ्यक्रम में शामिल एकांकी की प्रकृति नाटक से भिन्न दर्शाना और इसी दृष्टि से विद्यार्थियों की सृजनात्मक चेतना को विकसित करना इसका उद्देश्य है। • पाठ्यक्रम में शामिल मानवीय वृत्ति पर आधारित निबंध 'क्रोध' एक ऐसा चिंतनपरक पाठ है, जिसके अध्ययन से मानवीय गुण को समझने में सहायता मिलती है। इस अर्थ में यह निबंध बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। • हरिशंकर परसाई का व्यंग्यालेख गद्य की नवीन लोकप्रिय विधा है। इसके अध्ययन से साहित्य की नई रचना प्रकिया को समझने में सहायता मिलेगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	**नाटक** **अंधेर नगरी**–भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2	15	**एकांकी**–

		• औरंगजेब की आखिरी रात–रामकुमार वर्मा, स्ट्राइक–भुवनेश्वर
3	15	**एकांकी** • एक दिन–लक्ष्मीनारायण मिश्र, दस हजार–उदयशंकर भट्ट
4	15	**निबंध** : कोध–रामचंद्र शुक्ल **व्यंग्यालेख** : बेईमानी की परत–हरिशंकर परसाई

संदर्भग्रंथ –

हिंदी साहित्य भाग–2, डॉ राजेन्द्र मिश्र / जय प्रकाश म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी–भोपाल

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

कम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)

विषय : Discipline Specific Elective Course (DSE-2)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–4	विषय : (DSE-2) (हिंदी साहित्य और साहित्यकार)
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (DSE-2) (हिंदी साहित्य और साहित्यकार)	विषय कोड :
केडिट : 04+	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (ESE 80+IA 20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40%

शीर्षक	पाठ्य विषय : Discipline Specific Elective Course (DSE-2)
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• हिंदी साहित्य के अध्येत्ताओं से अपेक्षित कि वे हिंदी की साहित्यिक पृष्ठभूमि को समझें, इसके लिए ऐतिहासिक रचना और रचनाकारों की जानकारी के लिए प्रस्तुत पाठ्य सामग्री तैयार की गई है। • पाठ्यक्रम में हिंदी के आरंभिक काव्यकारों तथा आधुनिक गद्यकारों का साहित्यिक परिचय करना अपना उद्देश्य है। • आधुनिक गद्य विधाओं की जानकारी के क्रम में उनकी रचना प्रकिया को समझाने प्रयास किया जाएगा।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इस पाठ्यक्रम के अध्ययन–अध्यापन से हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट होगी, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो सकती है। • आधुनिक हिंदी के प्रमुख गद्य और गद्यकारों की रचना प्रकृति से अवगत कराना इसलिए भी अनिवार्य है कि यह विशेषता हिंदी साहित्य की सामान्य प्रकृति में शामिल है। • बीसवीं शताब्दी में हिंदी गद्य में जिन नवीन विधाओं का जन्म हुआ है, उनकी रचना प्रकृति के अध्ययन–अध्यापन से विद्यार्थियों में गद्य की विकास–यात्रा के प्रति समझ विकसित होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	**आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिंदी साहित्य और साहित्यकार** : रचना और रचनाकारों का साहित्यिक परिचय–पृथ्वीराज रासो और परमाल रासो। भक्तिकालीन कवि कबीर, सूर, जायसी, तुलसी का साहित्यिक परिचय।

2	15	**आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार** : प्रमुख रचनाकारों का साहित्यिक परिचय– हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ 'रेणु'।
3	15	**छायावादी हिंदी कवि और काव्य** : साहित्यिक परिचय–जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन 'पंत', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और महादेवी वर्मा।
4	15	**आधुनिक हिंदी की नवीन गद्य विधाएं** : सामान्य जानकारी–रेखाचित्र, संस्मरण, डायरी और पत्र।

संदर्भग्रंथ –

1. **हिंदी साहितय का इतिहास–आयार्च रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**
2. **हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास–भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
3. **हिंदी उपन्यास का विकास–मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
4. **हिंदी कहानी का विकास–मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
5. **इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य–रविन्द्रनाथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
6. **अतीत के चलचित्र–महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

कम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	